vinetur

सितंबर तक चिली की बोतलबंद वाइन का निर्यात 5.2% घटकर 902.7 मिलियन डॉलर

निर्यात की मात्रा 5.3% घटी, जो औसत निर्यात कीमतों में उल्लेखनीय बदलाव के बजाय विदेशों में कमजोर मांग का संकेत देती है

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



BioBioChile ने गुरुवार, 19 नवंबर को उद्योग संगठन Vinos de Chile के हवाले से प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2026 तक चिली की बोतलबंद वाइन का निर्यात कुल 902.7 मिलियन डॉलर रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 5.2% कम है।

राजस्व में गिरावट भौतिक खेपों में आई कमी के लगभग बराबर रही। रिपोर्ट के अनुसार, इसी नौ महीने की अवधि में निर्यात की मात्रा 5.3% घटी। मूल्य और मात्रा में लगभग समान गिरावट से संकेत मिलता है कि प्रति इकाई औसत निर्यात मूल्य मोटे तौर पर स्थिर रहा, न कि इतना बढ़ा कि कमजोर मांग की भरपाई कर सके।

प्रकाशित आंकड़े और प्रतिशत बदलाव के आधार पर, 2025 के पहले नौ महीनों में बोतलबंद वाइन का निर्यात लगभग 952.2 मिलियन डॉलर रहा था। इससे इस साल करीब 49.5 मिलियन डॉलर की गिरावट का अनुमान निकलता है,

हालांकि यह गणना सार्वजनिक रूप से जारी गोल किए गए आंकड़ों पर आधारित है।

ये आंकड़े चिली के सबसे चर्चित कृषि निर्यात उत्पादों में से एक के लिए कमजोर विदेशी बाजार की ओर इशारा करते हैं। BioBioChile ने बताया कि उद्योग को वैश्विक स्तर पर मुश्किल हालात का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें शराब की खपत में नरमी, अतिरिक्त आपूर्ति और निर्यात मांग में कमी शामिल हैं। रिपोर्ट में जिन उत्पादकों और बाजार पर नजर रखने वालों का हवाला दिया गया, उन्होंने उपभोक्ताओं की बदलती आदतों, अन्य पेय पदार्थों से प्रतिस्पर्धा और व्यापक व्यापार अनिश्चितता का भी उल्लेख किया।

आंकड़ों में सभी गंतव्यों के लिए चिली से बोतलबंद वाइन की खेप शामिल है। रिपोर्ट में निर्यात की कुल मात्रा नहीं दी गई है और उपलब्ध आंकड़े उत्पाद मिश्रण, कीमतों या मुद्रा में उतार-चढ़ाव के प्रभाव को अलग-अलग नहीं बताते। इसका मतलब है कि आंकड़े बिक्री और खेपों में संकुचन तो दिखाते हैं, लेकिन यह सटीक रूप से नहीं बताते कि गिरावट प्रमुख बाजारों में कमजोर मांग, कुछ श्रेणियों में कम कीमतों या निर्यात की गई वाइन के मिश्रण में बदलाव के कारण आई।

फिर भी, व्यापक संदेश स्पष्ट है। सितंबर तक चिली ने विदेशों में बोतलबंद वाइन की कम खेप भेजी और इन बिक्री से कम कमाई की ; राजस्व में गिरावट लगभग मात्रा में आई गिरावट के बराबर रही। यह रुझान बताता है कि मंदी की मुख्य वजह औसत निर्यात कीमतों में तेज बदलाव नहीं, बल्कि बिकने वाले मामलों की कम संख्या थी।

BioBioChile ने कहा कि उद्योग इस माहौल के अनुरूप ढलने के लिए कई रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें अंगूर के बागों का रकबा घटाना, कम अल्कोहल वाले उत्पादों का विस्तार, वाइन पर्यटन पर अधिक ध्यान देना और उत्पत्ति, पहचान तथा नए निर्यात बाजारों को प्रमुखता देना शामिल है। यह पहल पारंपरिक खपत के तौर-तरीकों पर दबाव के बीच चिली की वाइन को नए सिरे से स्थापित करने की व्यापक कोशिश को दर्शाती है।

रिपोर्ट ने इस क्षेत्र की चुनौती को वाइन और मादक पेय उद्योग की व्यापक वैश्विक समस्या का हिस्सा बताया। कुछ बाजारों में खपत घटने से कई देशों के उत्पादकों को अपनी उत्पाद श्रृंखला और विपणन रणनीतियों पर फिर से विचार करना पड़ा है। चिली के लिए यह दबाव ऐसे समय में आया है, जब देश कमजोर खेपों और स्थापित बाजारों में सीमित विकास संभावनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय वाइन व्यापार में अपनी जगह बचाने की कोशिश कर रहा है।

19 नवंबर को उद्धृत जनवरी-सितंबर के आंकड़े संचयी आंकड़े हैं, नवंबर के लिए अलग व्यापार अपडेट नहीं। BioBioChile ने यह भी कहा कि उपलब्ध जानकारी से सितंबर में अकेले हुए किसी भी सुधार का पैमाना मापने के लिए पर्याप्त विवरण नहीं मिलता।

निर्यातकों के लिए इससे चुनौतीपूर्ण तस्वीर उभरती है। बोतलबंद वाइन चिली की प्रमुख निर्यात श्रेणियों में बनी हुई है, लेकिन नवीनतम प्रकाशित आंकड़े दिखाते हैं कि 2026 की अंतिम तिमाही की शुरुआत में विदेशों में बिक्री एक साल पहले के स्तर से नीचे थी। इन आंकड़ों के आधार पर इस बात के बहुत कम संकेत हैं कि कीमतों ने कम मात्रा के असर को उल्लेखनीय रूप से कम किया हो।